ध्येय पथ

जुलाई 2023

मासिक ई-पत्रिका

सम्पादक
श्रीमती पुष्पा निषाद
डॉ. सुबोध कुमार मिश्र

महाराणा प्रताप महाविद्याल, जंगल धूसड़
गोरखपुर

शपथ ग्रहण समारोह

01 जुलाई को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत, वन महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्राचीन इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह ने अपने विचार प्रस्तुत किए। और सभी शिक्षकों व कर्मचारियों व स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं को शपथ दिलवाया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन राष्ट्री सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने किया।

गुरु पूर्णिमा पर आयोजित कार्यक्रम

03 जुलाई को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत, बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में गुरू पूर्णिमा के अवसर पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर की छात्राध्यापिका सुश्री अर्पणा सिंह ने किया। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

स्वामी विवेकानन्द पुण्यतिथि कार्यक्रम

04 जुलाई को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में वन महोत्सव व स्वामी विवेकानन्द जी की पुण्यतिथि के अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभागीय शिक्षको द्वारा औषधीय पौधे लगाए। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभाग अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

वार्षिक योजना बैठक (प्रथम दिन)

05 जुलाई को महाविद्यालय में शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के पहले दिन स्नातक प्रथम सेमेस्टर में आगामी 08 जुलाई से प्रारम्भ होने की सूचना बैठक में दी गई। कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा प्रवेश प्रक्रिया पर प्रकाश डाला।

वार्षिक योजना बैठक (दूसरा दिन)

06 जुलाई को महाविद्यालय में चल रहे शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के दूसरे दिन विगत सत्र की समीक्षा, दायित्व सह कार्य विभाजन, आगामी विशिष्ट कार्यक्रम योजना व पठन–पाठन, पाठ्यक्रम योजना निर्माण, वार्षिक विभागीय योजना एवं महाविद्यालय की वेबसाइट पर गहन विचार विमर्श किया गया।

वार्षिक योजना बैठक (तीसरा दिन)

07 जुलाई को महाविद्यालय में चल रहे शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के तीसरे दिन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने सभी शिक्षकों व कर्मचारियों में सामूहिकता अनामिकता तथा पारस्परिकता पूर्ण कार्य करने का आग्रह किया व महाविद्यालय के आगामी योजनाओं पर विचार कर उस पर सभी के सुझाव मांगे। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्नातक प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ

08 जुलाई को महाविद्यालय में स्नातक प्रवेश प्रक्रिया सत्र 2023–24 के शुरूआत के प्रथम दिन ही प्रथम वरीयता सूची के प्रवेशार्थियों द्वारा प्रवेश लेने के लिए होड़ लग गई। स्नातक प्रवेश प्रक्रिय के सम्बन्ध में प्रवेश संयोजक डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय प्रवेश समिति का उत्साहवर्धन किया।

शिक्षक को मातृशोक सभा

10 जुलाई को महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग के सहायक आचाग्र श्री भारत कुमार की माता श्रीमती पवित्री देती के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी, श्रीमती शिप्रा सिंह सहित सभी शिक्षकों ने 2 मिनट को मौन रख मृत शरीर की आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना किया।

विशिष्ट व्याख्यान

11 जुलाई को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भूगोल विभाग द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता भूगोल विभाग के सहायक आचार्य श्री अरविन्द कुमार मौर्य ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन उप–प्राचार्य व विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. शालू श्रीवास्तव, डॉ. नीलम गुप्ता सहित स्नातक के 76 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

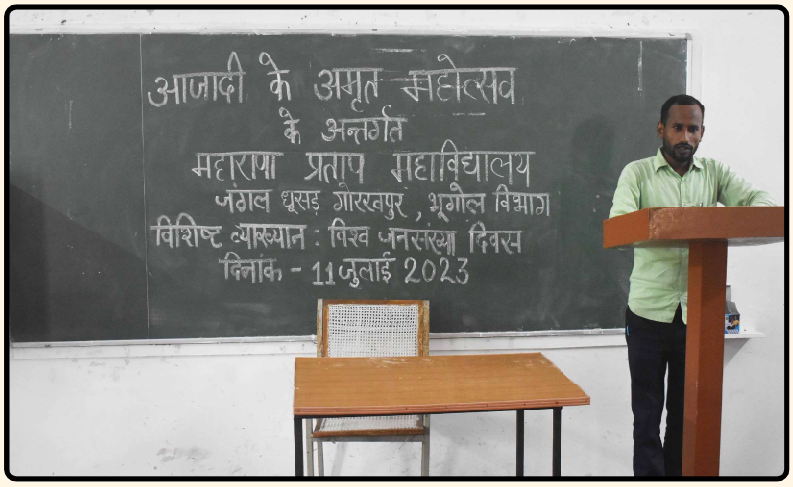

निबन्ध लेखन प्रतियोगिता

11 जुलाई को महाविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा ''लैंगिक समानता की शक्ति को उजागर करना'' विषय पर निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में स्नातक स्तर के कुल 29 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में अर्चना साहनी को प्रथम, भानू प्रताप सिंह को द्वितीय एवं अमित कुमार निषाद को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ वही खुश्बू कुमारी बैठा, विवेक कुमार निषाद एवं सचिन चौहान को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता का संयोजन राजनीतिशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिनव त्रिपाठी एवं डॉ. सलिल कुमार पाण्डेय ने किया।

चन्द्रयान-3 प्रक्षेपण कार्यक्रम

14 जुलाई को महाविद्यालय में चन्द्रयान–3 मिशन के प्रक्षेपण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण महाविद्यालय के बाबा गोपालनाथ कक्ष में प्रोजेक्टर के माध्यम से सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को दिखाया गया। इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह ने किया।

एक दिवसीय कार्यशाला

20 जुलाई को महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में सेमेस्टर प्रणाली में पठन–पाठन और परीक्षा की तैयारी विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री भारत कुमार ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। इसी क्रम में विभाग प्रभारी श्री नन्दन शर्मा ने सेमेस्टर परीक्षा पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को परीक्षाओं के सफलता के मंत्र बताए। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला ने किया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम

22 जुलाई को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी द्वारा गुलमोहर का पौधा लगाकर इसकी शुरूआत की गई। कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने किया।

एक दिवसीय कार्यशाला

25 जुलाई को महाविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत वाणिज्य विभाग द्वारा ''रोजगार सम्बन्धित सूचना को पहचानना और आवेदन करना ''विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता के रूप में वाणिज्य को सम्बोधित करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संयोजन व संचालन वाणिज्य विभाग प्रभारी श्री नन्दन शर्मा ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान

26 जुलाई को महाविद्यालय में अंग्रेजी विभाग द्वारा ''द एथेनियन लिटी स्टेट'' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन व संचालन अंग्रेजी विभाग की प्रभारी सुश्री शिवानी सिंह ने किया।

बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं का दो दिवसीय आंतरिक मूल्यांकन

26 जुलाई को महाविद्यालय में बी.एड्. विभाग द्वारा बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं का दो दिवसीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन किया गया। प्रथम दिन अनुक्रमांक संख्या 01 से 52 तक के प्रशिक्षु परीक्षा में सम्मिलित हुए। परीक्षा पैनल में विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह, श्री शैलेन्द्र सिंह, श्री अभिषेक त्रिपाठी, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, श्रीमती विभा सिंह, श्री जितेन्द्र प्रजापति, सुश्री दीप्ती गुप्ता व श्रीमती पुष्पा निषाद उपस्थित रहे।

विशिष्ट व्याख्यान

26 जुलाई को महाविद्यालय में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा कारगिल विजय दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनूप कुमार पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन व संचालन सहायक आचार्य श्री विवेक कुमार विश्वर्मा ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान

27 जुलाई को महाविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत रसायन विज्ञान विभाग द्वारा ''रोल ऑफ केमिस्ट्री इन प्रजेंट सिनेरियों'' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रसायन विज्ञान विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. सुधा यादव एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. निखिलकान्त शुक्ल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राम सहाय ने एवं आभार ज्ञापन विभाग अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने किया।

दो दिवसीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा

27 जुलाई को महाविद्यालय में बी.एड्. विभाग द्वारा दो दिवसीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा के दूसरे दिन बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर के अनुक्रमांक संख्या 53 से 104 तक के प्रशिक्षुओं ने प्रतिभाग किया। परीक्षा के पैनल में बी.एड् विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह सहित श्री शैलेन्द्र सिंह, श्री अभिषेक त्रिपाठी, डॉ. अनुभा श्रीवास्तवा, श्रीमती विभा सिंह, श्री जितेन्द्र प्रजापति, सुश्री दीप्ती गुप्ता एवं श्रीमती पुष्पा निषाद उपस्थित रहीं।

विशिष्ट व्याख्यान

28 जुलाई को महाविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भूगोल विभाग द्वारा विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान कि मुख्य वक्ता के रूप में भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. शालू श्रीवास्तव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन उप–प्राचार्य व विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी तथा संचालन श्री अरविंद कुमार मौर्य व आभार ज्ञापन डॉ. नीलम गुप्ता द्वारा किया गया।

दो दिवसीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा

28 जुलाई को महाविद्यालय के बी. एड्. विभाग द्वारा बी.एड्. चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं के लिए दो दिवसीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन किया गया। मूल्यांकन परीक्षा के प्रथम दिन अनुक्रमांक संख्या 01 से 52 तक के प्रशिक्षु सम्मिलित हुए। परीक्षा पैनल में विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह, श्री शैलेन्द्र सिंह, श्री अभिषेक त्रिपाठी, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, श्रीमती विभा सिंह, श्री जितेन्द्र प्रजापति, सुश्री दीप्ती गुप्ता व श्रीमती पुष्पा निषाद उपस्थित रही।

विशिष्ट व्याख्यान

31 जुलाई को महाविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा प्रसिद्ध गणितज्ञ एवं इतिहासकार दामोदर धर्मानन्द कोसांबी की जयंती के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. विपुला दूबे ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. राजवन्त राव ने किया। कार्यक्रम में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर की प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पद्मजा सिंह, डॉ. मणिन्द्र यादव, डॉ. विनोद कुमार रावत सहित सभी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र तथा संयोजन डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान

31 जुलाई को महाविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग द्वारा ''एनिमेशन एक परिचय'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री सूरज मिश्र ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य डॉ. भावना पाण्डेय ने किया।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

31 जुलाई को महाविद्यालय में ब्रह्मलीन राष्ट्र संत महंत अवेद्यनाथ प्राथमिक उपचार केन्द्र द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन जंगल ओराही शिव मंदिर टोले पर किया गया। शिविर के मुख्य चिकित्सक के रूप में डॉ. शुभम शर्मा एम.डी. मेडिसिन ने लोगो का निःशुल्क जाँच व दवा वितरित किया। इस शिविर का आयोजन प्राणी विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शिव कुमार ने किया।

दो दिवसीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा

31 जुलाई को महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग द्वारा बी.एड्. चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षुओ के लिए दो दिवस आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन किया गया। मूल्यांकन परीक्षा के दूसरे दिन अनुक्रमांक संख्या 53 से 103 तक के प्रशिक्षु सम्मिलित हुए। परीक्षा पैनल में विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह सहित सभी विभागीय शिक्षकों के देख रेख में सम्पन्न हुई।

समाचार पत्रो में प्रकाशित महाविद्यालय के विविध कार्यक्रम

अमर उजाला
amarujala.com
गोरखपुर | रविवार, 9 जुलाई 2023

एमपीपीजी : स्नातक में प्रवेश शुरू

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में सत्र 2023-24 स्नातक प्रवेश प्रक्रिया शनिवार से प्रारंभ हो गई। महाविद्यालय के सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. अभय प्रताप सिंह ने बताया कि पहले दिन प्रथम वरीयता सूची के प्रवेशार्थियों द्वारा प्रवेश लिए जाने की होड़ लगी रही। संवाद

दैनिक जागरण
गोरखपुर, 14 जुलाई, 2023
www.jagran.com

एक नजर में

एमपी पीजी में कक्षाएं 17 से

गोरखपुर : महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में स्नातक तृतीय, पंचम सेमेस्टर तथा स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर की कक्षाएं निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार 17 जुलाई से संचालित होंगी। स्नातक व स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर की कक्षाओं को शुरू करने की तिथि एक अगस्त निर्धारित की गई है। यह जानकारी कालेज के पीआरओ डा. अभय प्रताप सिंह ने दी। (जास)

रसायन विज्ञान की नींव का मजबूत होना नितान्त आवश्यक-प्रो.सुधा यादव

अमर उजाला
गोरखपुर | बुधवार, 12 जुलाई 2023 6

अर्चना प्रथम व भानू द्वितीय

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में विशिष्ट व्याख्यान तथा राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में अर्चना साहनी प्रथम, भानू प्र[illegible] सिंह द्वितीय एवं अमित कुमार निषाद तृतीय रहे। खुशबू कुमारी, विवेक कुमार निषाद एवं सचिन चौहान को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में 17 जुलाई से कक्षाएं प्रारम्भ

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में स्नातक तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर तथा स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर की कक्षाएँ निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार दिनांक 17 जुलाई 2023 से प्रारम्भ हो रही है, वहीं दिनांक 01 अगस्त 2023 से स्नातक तथा स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएँ प्रारम्भ होगीं। इस आशय की सूचना महाविद्यालय के सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डॉ० अभय प्रताप सिंह ने दी।

विद्यार्थी हो तकनीकी रूप से दक्ष -भारत कुमार

गोरखपुर जंगलधूसड़। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़, गोरखपुर के वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री भारत कुमार ने कहा कि सेमेस्टर प्रणाली विद्यार्थियों के अध्ययन-अध्यापन के साथ 'कर के सीखने' पर विशेष बल देती है। आज के तकनीकी और रोबोटिक्स के दौर में यह आवश्यक हो गया है कि विद्यार्थी तकनीकी रूप से दक्ष बनें, वो जो पढ़ रहे हैं वो करना भी जानते हों, साथ ही साथ उसके व्यावहारिक और सैद्धांतिक पक्ष को भी समझते हों। वाणिज्य के विद्यार्थियों को यह आवश्यक होता है की वो प्रोजेक्ट, फील्ड वर्क व इंटर्नशिप से जुड़े हो जिससे अपने पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद अपने नौकरी और व्यवसाय को प्राप्त कर आगे बढ़ सके। श्री भारत कुमार बृहस्पतिवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़, गोरखपुर के वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में 'सेमेस्टर प्रणाली में पठन-पाठन और परीक्षा की तैयारी' विषय पर बतौर मुख्य वक्ता विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। अगले वक्ता के क्रम में वाणिज्य विभाग के प्रभारी श्री नंदन शर्मा ने परीक्षा पर प्रकाश डालते हुए सेमेस्टर प्रणाली में होने वाली परीक्षाओं को अवसर के रूप में बताया और कहा कि वस्तुनिष्ठ, सैद्धांतिक और प्रायोगिक प्रकार की परीक्षाओं को सेमेस्टर प्रणाली में दिया जा रहा है, विद्यार्थी अपने अध्ययन के दौरान प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के दृष्टिकोण से अगर विस्तृत तैयारी करता है तो सेमेस्टर प्रणाली की परीक्षा प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के लिए वरदान साबित हो सकती है। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य सिद्धार्थ कुमार शुक्ला ने किया। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के स्नातक एवं परास्नातक के विद्यार्थी सना इकराम, काजल जायसवाल, अभिषेक सिंह, निदा फातिमा, प्रतीक राज शर्मा, शिवांजलि, अपूर्वा सहित अनेक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

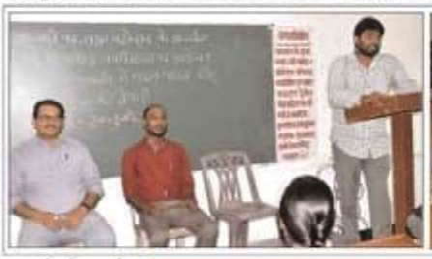

◆ तैयारी के दृष्टिकोण से सेमेस्टर प्रणाली की परीक्षा वरदान साबित होगी - नंदन शर्मा

यूनानी सभ्यता का विश्व में अपना एक महत्वपूर्ण स्थान

जंगलधूसड़, गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के अंग्रेजी विभाग द्वारा ''द एथेनियन सिटि स्टेट'' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि यूनानी सभ्यता का विश्व में अपना एक महत्वपूर्ण स्थान है। यूनानी सभ्यता ने अंग्रेजी साहित्य को अनेक अमूल्य निधियां दी हैं। इलियड, ओडीसी जैसे बहुसंख्यक साहित्य आज भी अंग्रेजी भाषा के प्रधान एवं मूल उपजीव्य साहित्य माने जाते हैं। यूनानी सभ्यता अनेक स्वतंत्र नगर राज्यों का समूह था। स्पार्टा, एथेंस, कोरिंथ, थीब्स, मेसीडोन, एट्टिका आदि इतिहास प्रसिद्ध नगर राज्य थे। यूनानी सभ्यता में से नगर राज्यों को पोलिस कहा जाता था। उन्होंने आगे यह भी कहा कि यूनान में राजतंत्र एवं लोकतंत्र दोनों ही प्रकार की शासन व्यवस्थाओं का अस्तित्व था। प्रारम्भ में समस्त यूनान राजतंत्रात्मक शासन प्रणाली से संचालित था किन्तु आगे चलकर सम्पूर्ण यूनानी नगर राज्य जनतंत्रात्मक शासन प्रणाली से संचालित होने लगे। यह जनतंत्रात्मक शासन प्रणाली भी एक प्रकार की कुलीन शासन व्यवस्था ही थी। स्पार्टा एवं एथेंस के नगर राज्य प्रशासन के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण थे। स्पार्टा में कठोर सैनिक शासन था। लाइकर्गस जैसे सैन्य प्रशासन के नेतृत्व में स्पार्टा में कठोर सैनिक नियंत्रण था। समाज के हर पक्ष को सैन्य दृष्टिकोण से विकसित करने का प्रयास किया जाता था। शासन द्वारा प्रशासनिक ईकाई के रूप में जेरूसिया जैसी परिषद का गठन किया गया था। राजनीतिक पक्ष के साथ-साथ समाज के धार्मिक, आर्थिक एवं साहित्यिक क्षेत्र में भी इसके कठोर सैन्य तंत्र की छाप देखने को मिलती है। वहीं बी.एड. विभाग में बी.एड. द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं का दो दिवसीय आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में पंजीकृत कुल 104 प्रशिक्षुओं में प्रथम दिन अनुक्रमांक संख्या 01 से 52 तक के प्रशिक्षु सम्मिलित हुए जबकि अगले दिन अनुक्रमांक 53 से 104 तक के प्रशिक्षु सम्मिलित होंगे। मूल्यांकन प्रक्रिया के अन्तर्गत प्रशिक्षुओं के समस्त असाइनमेंट कार्य, प्रोजेक्ट कार्य, प्रयोगात्मक विषय में किये गये सत्रीय कार्य एवं शिक्षण कौशलों का मूल्यांकन किया गया। साथ ही साथ प्रशिक्षुओं को बाह्य मूल्यांकन परीक्षा प्रक्रिया में आत्मविश्वास व पूर्ण तैयारी के साथ सम्मिलित होने हेतु प्रेरित किया गया। जबकि रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा कारगिल विजय दिवस के अवसर पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता इतिहास विभाग के अध्यक्ष श्री अनूप कुमार पाण्डेय ने शहीदों को याद करते हुए कारगिल युद्ध से सम्बन्धित घटनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय सेना ने कारगिल युद्ध में अदम्य साहस और शौर्य का परिचय दिया था। इस युद्ध में सैनिकों ने 18 हजार फीट की ऊंचाई पर दुर्गम पहाड़ियों, चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों, खराब मौसम और बेहद सीमित संसाधनों के बावजूद पाकिस्तान की सेना को पराजित करते हुए विजय प्राप्त की थी। अंग्रेजी विभाग के कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन विभाग प्रभारी सुश्री शिवानी सिंह ने किया। जबकि बी.एड. विभाग के मूल्यांकन परीक्षा के पैनल में विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह, श्री शैलेन्द्र सिंह, श्री अभिषेक त्रिपाठी, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, श्रीमती विभा सिंह, श्री जितेन्द्र प्रजापति, सुश्री दीप्ति गुप्ता, श्रीमती पुष्पा निषाद मौजूद रहे तथा रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के कार्यक्रम का संयोजन व संचालन सहायक आचार्य श्री विवेक कुमार विश्वकर्मा ने किया। इन विभिन्न कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रोजगार सम्बन्धित सूचना को पहचानना और आवेदन करना विषय पर दी गयी जानक

जंगलधूसड़, गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत वाणिज्य विभाग द्वारा एक-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 'रोजगार सम्बन्धित सूचना को पहचानना और आवेदन करना' विषय पर किया गया।

मुख्य वक्ता के रूप में वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य भारत कुमार ने कहा कि बढ़ते हुए प्रतियोगिता के दौर में व्यक्ति को अपने ज्ञान, कौशल और कार्य संतुष्टि के आधार पर रोजगार का चुनाव करना चुनौतीपूर्ण हैं, इसका कारण रोजगार सम्बन्धित सूचना को जानने और पहचानने में

सरकारी संस्थाओं में रोजगार से सम्बन्धित अनेक सूचनाएं प्रतिदिन समाचार पत्र, संस्थागत वेबसाइट और अन्य रोजगार सूचना माध्यम

जैसे सरकारी रिजल्ट डॉट काम पर प्रकाशित होते रहते हैं। स्व-रोजगार को प्रोत्साहन देने के लिए

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, आत्मनिर्भर भारत योजना, रोजगार योजना आदि सरकारी योजनाएं संचालित हैं। वहीं रोजगार संगम पोर्टल पर रोजगार से सम्बन्धित सूचनाओं की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। रोजगार प्राप्त करने हेतु

क्रम में वाणिज्य विभाग के सहा आचार्य श्री सिद्धार्थ कुमार शु ने रोजगार सम्बन्धी आवे प्रक्रिया को बताते हुए कहा रोजगार आवेदन के लिए व्य द्वारा कम्पनी/संस्था की वेबस पर जाकर आवेदन किया जाता आवेदन पूर्व आवेदक द्वारा अ सभी सम्बन्धित दस्तावेजों एकत्रित कर लिया जाता है सम्बन्धित सूचना को आवे प्रारूप में भरा जाता है। कार्य का संयोजन व संचालन वाणि विभाग प्रभारी नन्दन शर्मा ने कि इस अवसर पर वाणिज्य विभाग स्नातक के विद्यार्थी अपूर्वा श मनीष मद्धेशिया, सुधीर पाण्ड अभिषेक सिंह, आलोक प

पौधरोपण ही प्रकृति को संरक्षित करने का सर्वोत्तम उपाय-डा. श

हि हिन्दुस्तान

गोरखपुर, शुक्रवार, 21 जुलाई 2023 04

डॉ. सुबोध आईसीएचआर के शोध प्रोजेक्ट पर कार्य करेंगे

गोरखपुर, निज संवाददाता। भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर), नई दिल्ली ने गोरखपुर के इतिहासकार डॉ. सुबोध कुमार मिश्र को वृहद शोध परियोजना पर कार्य करने के लिए अनुदान प्रदान किया है।

डॉ. सुबोध मिश्र

डॉ. सुबोध कुमार मिश्र महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ के प्राचीन इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर होने के साथ ही भारतीय इतिहास संकलन समिति, गोरक्षप्रांत के प्रांत सहमंत्री के दायित्व का भी निर्वहन कर रहे हैं। उन्हें उनके विषय 'प्राचीन भारतीय जनपदों एवं गणराज्यों के सिक्कों का ऐतिहासिक सर्वेक्षण' पर शोध कार्य के लिए परिषद ने तीन लाख पचास हजार रुपये का अमुदान स्वीकृत किया है। भारतीय इतिहास संकलन समिति गोरक्षप्रांत के प्रांत मंत्री डॉ. कन्हैया सिंह ने शुभकामनाएं दीं है।

डॉ. सुबोध मिश्र के 40 से अधिक शोध पत्र राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। इससे पूर्व 2019 में दो वर्षों के लिए भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद द्वारा जेआरएफ की अध्येतावृत्ति भी प्राप्त हो चुकी है।

दामोदर धर्मानंद कोसांबी महान गणितज्ञ, इतिहासविद् एवं राजनीतिक विचारक थे

भारतीय नभमण्डल के धार्मिक-आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक क्षितिज के दैदीप्यमान नक्षत्र युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज नें पूर्वांचल के शैक्षणिक विकास एवं भारतीय संस्कृति, परम्परा, सनातन ज्ञान-विज्ञान एवं कौशल से ओत-प्रोत शिक्षा के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से सन् 1932 ई. में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की थी। सिद्ध गोरक्षपीठ एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित महाराणा प्रताप महाविद्यालय पूर्वांचल के शिक्षा क्षेत्र की एक अग्रणी संस्था है । महाविद्यालय के मासिक गतिविधियों का एक संक्षिप्त संकलन ''ध्येय पथ'' नाम से मासिक ई-पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। इसी क्रम में जुलाई माह की मासिक ई-पात्रिका ध्येय-पथ आप सभी के अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।

महाराणा प्रताप महाविद्याल, जंगल धूसड़

गोरखपुर